पुरुषार्थ भी लगता है कभी कभी हमें क्रिकेट मैच के समान
इसमें भी क्लीन बोल्ड हो जाते है अच्छे से अच्छे पहलवान
बेटिंग करते हैं खिलाड़ी अष्ट शक्तियों का हेल्मेट पहनकर
ईश्वरीय सेवा रूपी रन लेते रहते है स्ट्राइक बदल बदलकर
माया की सामान्य गेंदों रूपी विघ्नों पर चौके छक्के लगाते हैं
बड़े विघ्न की यॉर्कर बॉल आने पर वो क्लीन बोल्ड हो जाते हैं
ऐसे कई खिलाड़ी जब सम्पूर्णता के शतक तक पहुंच जाते हैं
माया से बेपरवाह होकर वो थर्ड मैन पे केच आउट हो जाते हैं
फिर माया की और से आने वाली हर बॉलिंग से बड़े घबराते हैं
आउट होने के भय से वो सेवा रूपी रन बनाने

से कतराते हैं
बाबा कहता इस खेल का मैं अंपायर हूँ तुम सेवा से ना घबराओ
माया की और से आने वाले हर बाउंसर पे तुम सिक्सर लगाओ
ॐ शांति